समापन भाषण

माननीय सदस्यगण,

सोलहवीं बिहार विधान सभा के गठन के उपरान्त प्रथम सत्र दिनांक 30 नवम्बर, 2015 से प्रारम्भ होकर आज दिनांक 08 दिसम्बर, 2015 को समाप्त हो रहा है । इस सत्र में कुल-06 बैठकें हुई ।

सत्र के प्रथम दिन दिनांक 30 नवम्बर, 2015 को अस्थायी अध्यक्ष द्वारा षोड्श बिहार विधान सभा के निर्वाचित सदस्य श्री बसन्त कुमार के असामयिक निधन पर शोक प्रकट करते हुए सदन की कार्यवाही स्थगित की गई ।

अबतक षोड्श बिहार विधान सभा के लिए नवनिर्वाचित कुल-240 माननीय सदस्यों के द्वारा शपथ/प्रतिज्ञान ग्रहण कर लिया गया है ।

दिनांक 02 दिसम्बर, 2015 को षोड्श बिहार विधान सभा के अध्यक्ष का सर्वसम्मति से चुनाव हुआ ।

दिनांक 04 दिसम्बर, 2015 को महामहिम राज्यपाल द्वारा सह-समवेत दोनों सदनों के सदस्यों को सम्बोधित किया गया । आसन द्वारा सदन नेता के रूप में माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार तथा विरोधी दल के नेता के रूप में माननीय सदस्य, श्री प्रेम कुमार को मान्यता प्रदान की गई । सभा सचिव द्वारा पंचदश बिहार विधान सभा के सप्तदश सत्र में उद्भूत तथा बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों द्वारा यथा पारित तथा सत्रोपरांत महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमत 08 विधेयकों का विवरण सभा पटल पर रखा गया । सत्र के दौरान कुल-12 (बारह) दिवंगत जननायकों के प्रति सदन में शोक प्रकाश किया गया एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।

माननीय प्रभारी मंत्री वित्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी को सदन में उपस्थापित किया गया ।

बिहार विधान सभा की लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति एवं सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति का वर्ष 2015-16 की शेष अवधि के लिए नियम को शिथिल करते हुए मनोनयन द्वारा गठन के लिए अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को अधिकृत किया गया । बिहार राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों, बोर्ड एवं आयोग में बिहार विधान सभा के सदस्यों को मनोनीत करने हेतु अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को प्राधिकृत किया गया ।

माननीय प्रभारी मंत्री, संसदीय कार्य विभाग द्वारा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित बिहार भूमि अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियमावली, 2014 की हिन्दी एवं अंग्रेजी की एक-एक प्रति सदन पटल पर रखा गया ।

वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद-151 (2) के अनुसरण में बिहार सरकार का वर्ष 2014-2015 का प्रतिवेदन "वित्त लेखे (खण्ड-1 एवं 2)" तथा "विनियोग लेखे", जिन्हें बिहार विधान मंडल के समक्ष रखने के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने महामहिम राज्यपाल के पास भेजा है, की एक-एक प्रति सदन पटल पर रखा गया एवं बिहार सरकार के वित्तीय वर्ष 2014-15 के वित्त लेखे (खण्ड-1 एवं 2) तथा विनियोग लेखे, जिसे विधान सभा के समक्ष रखे जाने के पश्चात्, उक्त प्रतिवेदन को लोक लेखा समिति द्वारा विचार किये जाने के पूर्व जनता में बिक्री के लिए प्राप्य हो से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जो सदन द्वारा स्वीकृत हुआ ।

वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री द्वारा बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम-2006 की धारा-11 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2015-16 के द्वितीय तिमाही में प्राप्ति एवं व्यय का रूझान संबंधी परिणाम प्रतिवेदन की एक प्रति सदन पटल पर रखा गया ।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 08.12.2015 को दिनांक 07 दिसम्बर, 2015 से महामाहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रहे वाद-विवाद पर उत्तर दिया गया, जिसके उपरान्त धन्यवाद प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी में सम्मिलित ऊर्जा विभाग के अनुदान की माँग पर वाद-विवाद हुआ तथा सरकार के उत्तर के बाद माँग स्वीकृत हुई एवं शेष माँग गिलोटीन (मुखबंध) द्वारा स्वीकृत किये गये । वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री द्वारा बिहार विनियोग (संख्या-4) विधेयक, 2015 को सदन में उपस्थापित किया गया, जो सदन द्वारा स्वीकृत हुआ ।

सत्र के दौरान कुल-33 प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई, जिनमें 17 प्रश्न स्वीकृत हुए । स्वीकृत प्रश्नों में 16 अल्पसूचित एवं 01 प्रश्न अतारांकित थे, जिसमें 15 प्रश्न उत्तरित तथा 02 प्रश्न अनागत हुए ।

सत्र के दौरान माननीय सदस्यों द्वारा शून्यकाल के माध्यम से कतिपय जनहित के मामले उठाये गये । कुल-05 निवेदन एवं 01 याचिका प्राप्त हुई ।

इस सत्र में कुल-18 ध्यानाकर्षण सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिनमें 04 वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुए तथा 11 सूचनाएँ लिखित उत्तर हेतु संबंधित विभागों को भेजे गये एवं 03 अमान्य हुए ।

प्रश्न काल का पटना दूरदर्शन द्वारा प्रसारण किया गया तथा सम्पूर्ण कार्यवाहियों की रिकॉर्डिंग भी की गयी । इन कार्यों से जुड़े कर्मचारी एवं पदाधिकारीगण धन्यवाद के पात्र हैं ।

सत्र के सफल संचालन के लिए माननीय मुख्यमंत्री, माननीय मंत्रीगण, नेता, विरोधी दल एवं दलीय नेताओं के साथ ही पक्ष, प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों के सहयोग के लिए मैं आभारी हूँ । पत्र प्रतिनिधियों, समाचार एजेंसी, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन ने जनमानस के बीच सदन की कार्यवाही को ले जाने का कार्य किया, उन्हें धन्यवाद देता हूँ ।

सभा के कार्य संचालन में सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा बिहार सरकार के पदाधिकारियों/कर्मचारियों सहित आरक्षी बल के जवानों ने जिस तत्परता, लगन एवं निष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कुशलतापूर्वक किया है, इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं ।

नव वर्ष के शुभागमन में मैं प्रदेश की जनता एवं आपसबों के उज्ज्वल भविष्य एवं सुखद जीवन की मंगल कामना करता हूँ ।

अब सभा की बैठक अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित की जाती है ।

❁❁❁❁❁